प्रथम कसौटी - 2021 : 2022
कक्षा - 9 विषय: हिन्दी
(कुल गुण: 50) 23/20
[गुणप्रदान योजना] ता. / /2021
* → विभाग - A (गद्य विभाग) समय: 2 कलाक
→ रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए। (1 सही 1 गुण) (2)
1. गिरफ्तार 2. कुरी
→ सही विकल्प से विधान पूर्ति। (1 सही 1 गुण) (2)
3. परिचित हो कर गुलमर्ग सदा -
अ. अपरिचित-सा लगता है।
4. जूही के अनुसार रानी को....
क. वे गीता पढ़ती थीं।
→ ठीक-ठीक वाक्यों में उत्तर (1 सही 1 गुण) (2)
5. जूही सेनापति तात्या का पक्ष लेती है, क्योंकि वह उससे प्रेम करती है।
6. विश्राम तिवारी कहा करते थे, "मार के पीछे भूत भागे।"
→ दो-तीन वाक्यों में उत्तर (1 सही 2 गुण) (4)
7. लेखक कहते है कि आजकल ईमानदारी और परिश्रम के बदले झूठ और फरेब का बाजार गर्म है। ऊपरी दिखाई देखने देनेवाली इस मनुष्यनिर्मित स्थिति से हताश हो जाना उचित नहीं है।
8. गुलमर्ग में रात आते ही सबकुछ खामोश हो जाता है। दिन में सैलानियों के कारण वहाँ बहुत चहल-पहल रहती है। इसलिए लेखक ने गुलमर्ग के दिन को वाचाल कहा।
→ पाँच-छः वाक्यों में उत्तर (1 सही 4 गुण) (4)
9. सम्राट अशोक ने शिशुपाल को अपने दरबार में बुलाया। उन्होंने शिशुपाल से कहा कि, मैं आपको न्याय करने का अवसर देना चाहता हूँ। शिशुपाल भी इस अवसर के लिए तैयार था। यह जानकर सम्राट ने उन्हें न्यायमंत्री बनाया और पहचानने के लिए उसे राजमुद्रा दी।

अथवा

9. प्रियादेव की टोली सेवाभावी लड़कों का दल है। यह टोली हर रविवार को सुबह 'सन्यासी आश्रम' के लिए मुठिया वसूलती है। इसके लिए उसे कस्बे के

vision

मुहल्लों में जाना पड़ता है। स्कूल का कोई छात्र या शिक्षक बीमार पड़ता है तो प्रियादेश भी यह टोली उसके घर पहुँच जाती है। टोली के सदस्य रोगी के पूरी तरह स्वस्थ हो जाने तक उसकी सेवा करते हैं। हैजा जैसी बीमारियों में यह टोली लोगों के लिए वरदान बन जाती है। इस प्रकार सेवाकार्य करते हैं।

*→ विभाग-B (पद्य विभाग)

→ रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए (1 सही 1 गुण) (2)

10. भारत को तपोभूमि कहा गया है।

11. बालकृष्ण के हाथ नवनीत लिए शोभा दे रहे हैं

→ काव्य पंक्ति पूर्ण कीजिए। (2)

12 देहमंदिर, चित्तमंदिर एक ही है प्रार्थना।
सत्य सुंदर मांगल्य की नित्य हो आराधना।
दुखियारों का दुःख जाए, है यही मनकामना॥
वेदना को परख पाने जगाएँ संवेदना।
दुर्बलों के रक्षणार्थ पौरुष की साधना॥

→ एक-एक वाक्य में उत्तर (1 सही 1 गुण) (2)

13. धनसंपत्ति किसलिए परोपकार के लिए है।

14. जहाज का पंछी उड़कर फिर जहाज पर आता है।

→ दो-तीन वाक्यों में उत्तर (1 सही 2 गुण) (04)

15. वैभव से मनुष्य को ढेर सारी चिन्ताएँ और थोड़ी सी हँसी-खुशी प्राप्त होती है। इसके अतिरिक्त उसे चमक-दमक दिखाने का अवसर और अधिक भोग-विलास प्राप्त होता है।

16. गुप्तजी के अनुसार भारतवासी आर्यों की संतान हैं और एक समय था जब आर्य विद्या और कला-कौशल में सबसे आगे थे। ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में उनका कोई मुकाबला नहीं कर सकता। परंतु उन महान आर्यों की संतान होकर भी आज भारतवासी अधोगति में पड़े है- प्रगति की दौड़ में वे बुरी तरह पिछड़ गए हैं। पूर्वजों के उच्च आदर्शों को वे भूले नहीं हैं।

→ पाँच-छः वाक्यों में उत्तर लिखिए। (1 सही 4 गुण) (04)

17. कवि चाहते हैं कि मनुष्य के जीवन में नया प्रकाश आए। वह नई चेतना का अनुभव करे। उसके हृदय में सुंदर और नए विचार हों। उसकी सभी आशाएँ पूरी हों। वह मनुष्यता की पूजा करे। सब लोग धीर-वीर बनें।

अथवा

17. बालक श्रीकृष्ण की मूर्ति बड़ी मनोहर है। वे अपने हाथों में मक्खन लिए घुटनों के बल चल रही हैं। उनके मुँह में मक्खन लगा हुआ है - उनके गाल सुंदर और आँखें चंचल हैं। उनके माथे पर गोरोचन का तिलक लगा हुआ है। उनकी लटें मदमस्त भौरों जैसी सुंदर लग रही हैं। वे अपने गले में कठुला की माला पहने हुए हैं। इस प्रकार छवि अत्यंत मनमोहक है।

→ विभाग - C (व्याकरण विभाग) कुल- 10 गुण

→ सभी व्याकरण का 1 गुण (1 सही 1 गुण)

→ मुहावरे का अर्थ

18. नींद हराम करना - गहरी चिंता में डालना

→ कहावत

19. कंगाली में आटा गीला - मुसीबत में और मुसीबत आना

→ वाक्य शुद्ध कीजिए।

20 आप यहाँ बैठिए।

→ विरोधी शब्द दीजिए।

21 नाराज × राजी

→ पर्यायवाची शब्द

22 फरेब - धोखा

→ शब्द समूह के लिए एक शब्द

23. स्वामिभक्त

→ उपसर्ग बताइए।

24 अकारण 'अ' उपसर्ग है

→ भाववाचक संज्ञा बताइए।
25 विलासिता
→ कर्तृवाचक संज्ञा बताइए।
26. पहरेदार
→ विशेषण बताइए।
27 अंतिम

*⇒ विभाग -D लेखन विभाग
→ गद्य समीक्षा (1 सही आर गुण) (03)
28. उन्नति के पथ पर चलनेवाला छात्र प्रातःकाल सूर्य निकलने के पहले ही उठ जाता है।
29. स्नान के बाद भगवान की प्रार्थना चाहिए ताकि भगवान हमेशा उसका पथ-प्रदर्शक बने।
30. व्यायाम से शरीर ताकतवर, सुंदर और सुगठित बनता है। अतः व्यायाम आवश्यक माना गया है।

→ कहानी लेखन। (03)
31 (कहानी वर्णन के 2 गुण 1 गुण शीर्षक)
शीर्षक : कुसंगति का फल
सीख : बुरी संगति का फल बुरा - बुरे साथियों से दूर रहने में ही भलाई।

अथवा
पत्रलेखन कीजिए।
[पत्र वर्णन का 1 गुण 1 गुण सम्बोधन व समापन]
जन्मदिन के अवसर पर बधाई देता पत्र।
⇒ किसी एक विषय पर 100 शब्दों में निबंध लिखिए। (06)
32. (ज्यादा से ज्यादा 5 गुण देने है)
वर्षाऋतु / मेरा प्रिय त्योहार / मेरा देश

——x—x——

K.R.V.
Jyotiben B. Prajapati